T T LIMITED

(CIN NO.-L18101DL1978PLC009241)
879, MASTER PRITHVI NATH MARG
OPP: AJMALKHANPARK, KAROL BAGH,
NEW DELHI – 110 005, INDIA
TEL: 0091 11 45060708
EMAIL: newdelhi@ttlimited.co.in
WEBSITE: http://www.ttlimited.co.in

October 20, 2020

M/s National Stock Exchange of India Ltd. " Exchange Plaza" Plot No. C/1, G Block Bandra Kurla Complex Bandra (E), Mumbai-400051 Ph.: 022-26598100-8114	Bombay Stock Exchange Limited Floor 35, P.J.Towers Dalal Street Mumbai-400001 Fax-022-22722061/41/39/37

Reg.: Scrip Code : TTL/ 514142

Sub: Notice of Board Meeting - Newspaper advertisement

In continuation to our letter dated Monday, October 19, 2020 with regard to the Board Meeting Notice, please find enclosed herewith copies of the advertisement published in newspapers on 20.10.2020 (Tuesday) as follows:

1. Money Makers (English) dated 20.10.2020 (Tuesday) published in New Delhi.
2. Dainik Mahalakshmi Bhagyodaya (Hindi) dated 20.10.2020 (Tuesday) published in New Delhi.

You are requested to take the above Information on record.

Thanking You,
Yours Sincerely

For TT Limited

T.T. LIMITED * 879, Master Marg, Karol Bagh, N. Delhi-5 Ph.: 45060708

Sanjay Kumar Sharma
Company Secretary
M No. : FCS7311

चोरी के बच्चे को गोद लेने वाले आरोपी को कोर्ट ने किया बरी

वारिस की चाहत में हुआ अपराध

महालक्ष्मी ब्यूरो
नई दिल्ली, 19 अक्टूबर

एक बहुत ही संवेदनशील मामले में अदालत ने मानवीय रुख अख्तियार करते हुए आरोपी को राहत दी है। इस मामले में एक तरफ जहां आर्थिक रूप से कमजोर एक मां है जिसका चार साल का बच्चा चोरी हो गया था, वहीं दूसरी तरफ एक ऐसा पिता है जिसने अपना एक बेटा गंभीर बीमारी की वजह से खो दिया है। दूसरा बच्चा बेटा भी उसी गंभीर बीमारी से जूझ रहा है और एम्स के डॉक्टरों ने उसकी आयु दो से तीन साल सुनिश्चित की है।

ऐसे में इस पिता ने चोरी हुए एक बच्चे को अपनी पीढ़ी आगे बढ़ाने के मकसद से गोद ले लिया। लेकिन कुछ दिन बाद ही पुलिस ने दिल्ली में बच्चे चोरी करने वाले एक बड़े रैकेट का खुलासा किया और मुख्य आरोपी की निशानदेही पर इस बच्चे तक पहुंच गई। मामला अदालत में पहुंचा। जहां रोहिणी स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जितेन्द्र कुमार मिश्रा की अदालत ने पूरे मामले को सुना। अदालत ने पाया कि यह बेहद गंभीर होने के साथ ही संवेदनशील मसला है।

यहां अदालत को भी उन सभी की भावनाओं को समझना होगा जो पूरे प्रकरण में शामिल हैं। हालांकि, अदालत ने बच्चा चोरी करने वाले गिरोह के प्रति रोष व्यक्त किया। साथ ही इस गिरोह पर सख्त कार्रवाई के आदेश दिए। लेकिन उस पिता को राहत दी जो अनजाने में अपने घर का वारिस तलाशते हुए इस बच्चे तक पहुंच गया। अदालत ने कहा कि आरोपी का मकसद बच्चे की आड़ में धन का लाभ प्राप्त करना नहीं था, बल्कि उसे अपने घर का वारिस चाहिए था। उससे अनजाने में गलती हुई। ऐसे में इस व्यक्ति को सलाखों के पीछे रखना उचित नहीं है। अदालत ने उसे जेल से रिहा करने का आदेश दिया है।

यह मामला भलस्वा डेयरी इलाके का है। आरोपी की तरफ से अधिवक्ता प्रदीप खत्री ने अदालत को बताया कि उन्होंने बाकायदा वकील के माध्यम से गोदनामा दस्तावेज तैयार करवाए थे। उन्हें गोद देने वाले व्यक्ति ने अपने आप को बच्चे का पिता बताया था। उसका कहना था कि वह बेहद गरीब है और बच्चे का पालन-पोषण नहीं कर सकता। इसलिए बच्चे को गोद दे रहा है। अधिवक्ता ने यह भी बताया कि आरोपी पहले ही अपने एक बेटे को खो चुका है।

दूसरा बेटा भी गंभीर बीमारी का शिकार है। ऐसे में इस व्यक्ति को बस परिवार का वारिस मिलने का लालच आ गया। इतना ही नहीं आरोपी की तरफ से उसके बड़े बेटे की मृत्यु संबंधी दस्तावेज अदालत में पेश किए गए। वहीं दूसरे और इकलौते बचे बेटे के एम्स में उपचार संबंधी दस्तावेज भी अदालत को दिखाए गए।

इस मामले में चार साल के बच्चे की मां की तरफ से भलस्वा थाने में 31 जनवरी को प्राथमिकी दर्ज कराई गई। इस महिला ने बताया कि वह किराये के मकान में रहती है और दोने बनाने की फैक्ट्री में काम करती है। घटना वाले दिन वह 12 साल की बेटी के साथ अपने चार साल के बेटे को छोड़ कर काम पर गई थी। शाम को वापस लौटी तो पाया कि बेटा लापता है। बेटी ने बताया कि भाई गली में खेल रहा था। लेकिन अचानक गायब हो गया। पुलिस ने तफ्तीश के दौरान एक डॉक्टर को गिरफ्तार किया।

> ऐसे में इस पिता ने चोरी हुए एक बच्चे को अपनी पीढ़ी आगे बढ़ाने के मकसद से गोद ले लिया। लेकिन कुछ दिन बाद ही पुलिस ने दिल्ली में बच्चे चोरी करने वाले एक बड़े रैकेट का खुलासा किया और मुख्य आरोपी की निशानदेही पर इस बच्चे तक पहुंच गई। मामला अदालत में पहुंचा। जहां रोहिणी स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जितेन्द्र कुमार मिश्रा की अदालत ने पूरे मामले को सुना। अदालत ने पाया कि यह बेहद गंभीर होने के साथ ही संवेदनशील मसला है।

इस डॉक्टर के साथ ही कई और लोगों की गिरफ्तारी हुई। पुलिस के मुताबिक यह गिरोह बच्चे चोरी कर उन्हें बेचता था। डॉक्टर अपना क्लीनिक चलाता था। इसी क्लीनिक के माध्यम से वह बच्चों को खरीदने के लिए ग्राहक तैयार करता था। यहीं सौदा भी किया जाता था। डॉक्टर की निशानदेही पर फरवरी में यह बच्चा आरोपी दंपति के घर से बरामद हुआ था।

दिल्ली महिला आयोग के 181 हेल्पलाइन के 6 कर्मचारी कोरोना संक्रमित हुए

महालक्ष्मी ब्यूरो
नई दिल्ली, 19 अक्टूबर

दिल्ली महिला आयोग सक्रियता से दिल्ली में कार्य करता आ रहा है। आयोग दिल्ली में 181 हेल्पलाइन का भी सफलतापूर्वक संचालन करता है। इस हेल्पलाइन के जरिए दिल्ली की महिलाएं केवल एक कॉल पर सहायता प्राप्त कर पाती हैं। पिछले दिनों भी देखा गया कि कोरोना लॉक डाउन में भी आयोग प्रतिदिन हजारों कॉल्स की सुनवाई कर रहा था। लॉकडाउन के दौरान कॉल्स की संख्या में भी बढोतरी हुई थी। आयोग ने इस दौरान राशन एवं मेडिकल इमरजेंसी के मामलों में भी शिकायतकर्ताओं की मदद की थी। अब इस हेल्पलाइन नम्बर की छह काउंसलर कोरोना की चपेट में आ गई हैं।

दिल्ली महिला आयोग आयोग नारायणा स्थित एक कार्यालय से अपनी 181 हेल्पलाइन को संचालित करता है जहां 36 काउंस्लर काम करती हैं। अब तक आयोग की 6 कर्मचारी कोरोना संक्रमित हो चुकी हैं। इनमें से 2 सुपरवाइजर और 4 काउंसलर शामिल हैं। इसी के मद्देनजर सभी संक्रमित कर्मचारियों को होम आइसोलेट कर दिया गया है। आयोग ने अपने कार्यालय को सैनिटाइज कर शाम की शिफ्ट के कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम में कार्यरत किया है। साथ ही दिन की शिफ्ट में भी सैनीटाजेशन और सोशल डिस्टनसिंग का भी खास ध्यान रखा जा रहा है। इन विपरीत परिस्थितियों में भी हेल्पलाइन 24 घंटे चल रही है। यह हेल्पलाइन इस वक्त आयोग की सदस्या वंदना सिंह की अगुवाई में चल रही है।

दिल्ली महिला आयोग अध्यक्षा स्वाति मालीवाल ने कहा कि जब से उन्होंने आयोग का कार्यभार संभाला है तब से इस हेल्पलाइन पर आने वाली कॉल्स कई गुणा बढ़ गई हैं। इसका कारण है कि दिल्ली की महिलाओं को अब आयोग के काम पर भरोसा है और लोगों में हमारे काम के प्रति विश्वसनीयता बेहद अधिक है।

लगातार कार्य करते हुए 181 हेल्पलाइन के 6 कर्मचारी कोरोना संक्रमित हो गए हैं। लेकिन इन विपरीत परिस्थितियों में भी हमने अपने कार्य में कोई कमी नहीं आने दी है। कार्यालय में सैनीटाइजेशन और सामाजिक दूरी का खास ध्यान रखा जा रहा है और सभी चुनौतियों के बाद भी हम दिन रात दिल्लीवासियों की सेवा के लिए कार्यरत हैं।

> पिछले दिनों भी देखा गया कि कोरोना लॉक डाउन में भी आयोग प्रतिदिन हजारों कॉल्स की सुनवाई कर रहा था। लॉकडाउन के दौरान कॉल्स की संख्या में भी बढोतरी हुई थी। आयोग ने इस दौरान राशन एवं मेडिकल इमरजेंसी के मामलों में भी शिकायतकर्ताओं की मदद की थी। अब इस हेल्पलाइन नम्बर की छह काउंसलर कोरोना की चपेट में आ गई हैं।

जल बोर्ड में बढ़ रहे भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को लेकर उठाये सवाल

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर

दिल्ली जल बोर्ड में भ्रष्टाचार और अनियमिततायें निरंतर बढ़ती जा रही है इसलिए दिल्ली जल बोर्ड के वाइस चेयरमैन और आम आदमी पार्टी के विधायक राघव चड्ढा के इस्तीफे की मांग करते हुए प्रदेश प्रवक्ता यासिर जिलानी ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड आम आदमी पार्टी के भ्रष्टाचार का नया अड्डा बन चुका है। यासिर जिलानी का कहना है कि जब से आम आदमी पार्टी के द्वारा नियुक्त वाइस चेयरमैन राघव चड्ढा ने दिल्ली जल बोर्ड का कार्यभार संभाला है तब से दिल्ली जल बोर्ड का घाटा और भी बढ़ गया है।

दिल्ली सरकार के संरक्षण में दिल्ली जल बोर्ड टैंकर माफियाओं के साथ मिलकर दिल्लीवासियों को लूटने का काम कर रहा है। यासिर जिलानी ने बताया कि दिल्ली जल बोर्ड के हेल्पलाइन नंबरों पर जन समस्याओं की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। पानी, सीवर, बिल और अवैध रूप से हो रही बोरिंग की शिकायत करने पर दिल्ली जल बोर्ड की ओर से कोई जवाब नहीं मिल रहा है। दिल्ली जल बोर्ड में अभी भी करोड़ रुपए का बिल बकाया हैं।

उन्होंने कहा कि 24 घंटे निरंतर पानी केवल एक झांसा है, इतना ही नहीं दिल्ली वाले पानी की कमी से त्रस्त हैं। पानी बिल माफ होने की योजना केवल कागजों तक रह गयी है। इसके बावजूद आम आदमी पार्टी विधायक राघव चड्ढा इन मामलों के संज्ञान में लेने के बजाए गहरी नींद में सो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नैतिकता के आधार पर राघव चड्ढा को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए अन्यथा केजरीवाल सरकार एक बड़े आंदोलन के लिए तैयार रहे।

-bjpdelhinew@gmail.com

दिल्ली : अस्पताल में भर्ती था कोरोना संक्रमित परिवार, घर में हो गई चोरी

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (ह.स.)

दिल्ली में शाहदरा के विवेक विहार में रहने वाले एक कोरोना संक्रमित परिवार के घर चोरी का मामला सामने आया है। परिवार के सभी सदस्य घर पर ताला बंद कर अस्पताल में भर्ती थे। अस्पताल से लौटने के बाद जब घर पहुंचे तो ताला टूटा हुआ मिला। घर से करीब पौने दो लाख रुपये नकदी और लाखों रुपये के गहने गायब हैं। शनिवार को शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। पीड़िता

71 वर्षीय सुमन माथुर परिवार के साथ विवेक विहार के विज्ञान विहार में रहती हैं। परिवार में भाई विजय माथुर, बहन रीता माथुर और भांजी मीनाक्षी माथुर हैं। पांच अक्तूबर को रीता और मीनाक्षी की तबीयत खराब हो गई। वे दोनों को लेकर विश्वास नगर के डायग्नोस्टिक सेंटर में पहुंचीं। जांच के दौरान तीनों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई जबकि भाई फेफड़े के उपचार के लिए पहले से शांति मुकुंद अस्पताल में भर्ती थे। छह अक्तूबर को सुमन, रीता और मीनाक्षी घर पर ताला बंद कर शांति मुकुंद अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती हो गईं।

12 अक्तूबर को विजय आधार कार्ड लेने के लिए घर पहुंचे तो वहां घर का ताला टूटा हुआ था। उन्होंने पुलिस को सूचना दी और वापस अस्पताल चले गए। इसके बाद अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद परिवार घर पहुंचा और शनिवार को मामले की शिकायत पुलिस को दी। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान दो मजदूरों की मौत, तीन की हालत गंभीर

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर (ह.स.)

दिल्ली के आदर्श नगर इलाके में रविवार की देर शाम एक फैक्ट्री की सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान जहरीले गैस की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत हो गई। जबकि तीन मजदूर गम्भीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पास के बाबू जगजीवन राम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर घटना की

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच आरंभ कर दी है। बताया जा रहा है कि सभी मजदूर बिना सुरक्षा उपकरण के ही सेप्टिक टैंक की सफाई कर रहे थे। बहरहाल लापरवाही का मामला दर्ज करते हुए जांच की जा रही है। मरने वाले मजदूरों में इजरीस और सलीम शामिल हैं। घटना की जानकारी फायर विभाग को करीब सात बजे मिली। जानकारी के मुताबिक आदर्श नगर इलाके के लाल बाग में हंस सिनेमा के निकट सोने की चेन तैयार करने की फैक्टी है। इस फैक्टरी की गंदगी सामने ही स्थित एक नाले में जाता है। अबतक की जानकारी के मुताबिक फैक्ट्री से निकलने रसायन को सेप्टिक टैंक में डाला जाता है। यह टैंक करीब 20 फीट गहरा है। यह टैंक जाम हो गया था तो इसकी सफाई का काम करने के लिए रविवार शाम पांच सफाई मजदूरों को बुलाया गया था। इनमें से तीन तीन मजदूर टैंक की सफाई के लिए टैंक में नीचे उतरे थे। लेकिन कुछ देर के बाद ही उनकी गतिविधि बंद हो गई तो उनका पता लगाने के लिए बाकी के दो मजदूर नीचे उतरे, लेकिन वे भी अंदर जाकर फंस गए और उनकी भी हरकत बंद हो गई तो वहां खड़े लोगों को शक हुआ। तत्काल दमकल फायर विभाग व स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची टीम ने बचाव कार्य शुरू किया और तीन मजदूरों को बाहर निकाला। तीनों बेहोशी की हालत में थे। इन्हें तत्काल पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके कुछ देर के बाद दो अन्य मजदूरों को भी निकाल कर अस्पताल ले जाया गया।

प्रदूषण फैलाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ दिल्ली ट्रैफिक पुलिस सख्त

महालक्ष्मी ब्यूरो
नई दिल्ली, 19 अक्टूबर

दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है, जो प्रदूषण फैलाने में सहभागी बन रहे हैं। टीम ने प्रदूषण के लिहाजा से हॉटस्पॉट चिन्हित किए गए इलाकों और आसपास अभियान को विशेष तौर पर चला रही है।

जिन वाहनों में रेत सहित निर्माण सामग्री लादकर ले जाया जा रहा है और उन्हें ढंका नहीं गया है उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। साथ ही जिन वाहनों के पास प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) नहीं है, उनके खिलाफ भी सख्ती बरती जा रही है। ट्रैफिक पुलिस अगले सप्ताह राजधानी के अन्य इलाकों में भी इस अभियान को आगे बढ़ाएगी।

ट्रैफिक पुलिस सड़क के आसपास पार्किंग में काफी दिनों से खड़े वाहनों के खिलाफ भी अभियान चला रही है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने नरेला, बवाना, मुंडका, वजीरपुर, रोहिणी, आर के पुरम, ओखला, जहांगीरपुरी, आनंद विहार, विवेक विहार, पंजाबी बाग, मायापुरी व द्वारका सहित जिन इलाकों में प्रदूषण ज्यादा है, वहां अभियान तेज कर रही है।

एक तरफ जहां कार्रवाई की जा रही है वहीं प्रदूषण से बचाव के लिए उठाए जाने वाले कदमों को लेकर जागरूकता अभियान भी चला रही है। इसके लिए जगह-जगह प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र लेने सहित वाहनों से होने वाले प्रदूषण के बारे में जानकारी मुहैया कराया जा रहा है। कहीं पम्पलेट बांटे जा रहे हैं तो कहीं एनाउंसमेंट का सहारा लिया जा रहा है। कुछ जगहों पर पोस्टर भी लगाए जा रहे हैं।

> जिन वाहनों में रेत सहित निर्माण सामग्री लादकर ले जाया जा रहा है और उन्हें ढंका नहीं गया है उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। साथ ही जिन वाहनों के पास प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) नहीं है।

नियम के मुताबिक, दिल्ली में हर तीन महीने के बाद पीयूसी टेस्ट कराना अनिवार्य है। परीक्षण के बाद वाहन मालिक को प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र दिया जाता है। मोटर वाहन (संशोधन) कानून, 2019 गत एक सितंबर से प्रभावी है, जिसके तहत प्रदूषण संबंधी नियमों का उल्लंघन करने पर पहली बार 1,000 रुपये और दूसरी बार 2,000 रुपये का चालान किया जा सकता है, जबकि इस संबंध में 10,000 रुपये के चालान का भी प्रावधान है।

दिल्ली हिंसा: तीन आरोपियों की जामनत याचिका अदालत ने की खारिज

महालक्ष्मी ब्यूरो
नई दिल्ली, 19 अक्टूबर

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में भड़के साम्प्रदायिक दंगों के मामले में आरोपी तीन लोगों की जमानत याचिका अदालत ने खारिज कर दी है। अदालत ने कहा कि इन आरोपियों पर हत्या, हत्या प्रयास व आगजनी जैसे गंभीर आरोप हैं। इन्हें जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता।

कड़कड़डूमा स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनोद यादव की अदालत ने दयालपुर इलाके में हुए दंगों से जुड़े तीन आरोपियों की जामनत याचिका नामंजूर करते हुए कहा कि इन आरोपियों के खिलाफ कई सारे दंगे के मामले दर्ज हैं। इनमें हत्या, हत्या प्रयास, लूट, आगजनी

आदि गंभीर आरोप हैं। ये उसी इलाके के रहने वाले हैं जहां शिकायतकर्ता परिवार रहते हैं। ऐसे में गवाहों को धमकाने से लेकर उन्हें प्रभावित करने का खतरा लगातार बना रहेगा। दूसरा अभी दंगों से संबंधित मामलों में जांच जारी है। इन परिस्थितियों में भी आरोपियों को जमानत देना उचित नहीं है।

वहीं बचाव पक्ष के वकीलों का कहना था कि उनके मुवक्किलों को गलत व झूठे आरोपों में फंसाया गया है। वकीलों ने जांच पर भी सवाल खड़े किए। इनका कहना था कि जांच निष्पक्ष नहीं है। जानबूझकर समुदाय विशेष के अधिक लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा है। जबकि वह खुद इन दंगों में सबसे ज्यादा प्रभावित रहे हैं। विशेष लोक अभियोजक मनोज चौधरी ने आरोपी पक्ष के वकीलों की दलील का विरोध किया। उन्होंने कहा कि किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी पुख्ता साक्ष्यों के आधार पर की जा रही है। आरोपी को गिरफ्तार करते समय साक्ष्य देखे जा रहे हैं ना की समुदाय। इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगाकर दंगों को एक नया रंग देने का प्रयास ना किया जाए।

पेश मामले में तीनों आरोपियों पर आरोप है कि 23 फरवरी को वजीराबाद रोड चांदबाग से दंगों की शुरूआत हुई। जोकि उत्तर-पूर्वी के अधिकांश हिस्सों में जल्द ही फैल गए। यह दंगे 26 फरवरी तक चले। आरोपियों ने दयालपुर स्थित बृजपुरी पुलिया पर बड़ी संख्या में लोगों के साथ मारकाट की। इनमें से कई की मौत हो गई। जबकि कई पीड़ित गंभीर रुप से जख्मी हुए। वहीं, इलाके की कई दुकाने लूटी गईं व उन्हें आग लगा दी गई। इन सभी घटनाओं में आरोपी शामिल रहे।

T T LIMITED
(CIN NO.-L18101DL1978PLC009241)
879, MASTER PRITHVI NATH MARG, OPP: AJMAL KHAN PARK, KAROL BAGH, NEW DELHI - 110 005, INDIA TEL: 0091 11 45060708
EMAIL: newdelhi@ttlimited.co.in, WEBSITE: http://www.ttlimited.co.in

NOTICE

Notice is hereby given in compliance with the Regulations 29 and 47 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations 2015, that a Meeting of the Board of Directors of the Company will be held on **Wednesday, November 4, 2020 at 3:00 P.M.** to, consider and approve inter-alia, Unaudited Financial Results of the Company for the Second Quarter and Half Year ended 30th September, 2020.

This information is also available on the website of NSE Limited (www.nseindia.com) and BSE Limited (www.bseindia.com) where the Company's shares are listed.

By T T Limited
Sd/-
Sanjay Kumar Sharma
Company Secretary
(FCS7311)

Place: New Delhi
Date: 19.10.2020

'H for Handwashing' initiative to accelerate handwashing behaviour change amongst children

New Delhi/October 19

On the occasion of the Global Handwashing Week (15th – 21st October 2020) Delhi government collaborates with Hindustan Unilever's Lifebuoy brand and People to People Health Foundation to Promote "H for Handwashing". Honorable Deputy Chief Minister and Education Minister Mr. Manish Sisodia inaugurated a "movement to accelerate handwashing behaviour change for children and launched an interactive playbook and posters to promote teaching H for Handwashing amongst kindergarten.

The movement aims to remind people one of the biggest inculcated habits of handwashing and its importance learned during the pandemic. To stay safe and secure, the habit of handwashing can't be ignored even if cases drop, lockdowns ease -it is that one habit all of us -children, grownups, and even the elderly need to remember.

It is believed that children as young as between 3-5 years can be taught hygiene behaviors-transferring the onus from the primary caregiver to themselves. Children have been learning the letters of the alphabet for hundreds of years through simple associations with everyday references such as "A for Apple", "B for Ball", "C for Cat". Starting this day, the movement aims to advocate greater emphasis on hand hygiene education where no o longer will the letter H stand for Horse, Hat, or even Home, H must stand for Handwashing.

"We acknowledge the effort of Unilever's Lifebuoy brand and People to People Health Foundation for curating this unique idea with us for extensive promotion amongst school children and through them, amongst the whole community. We are committed to the health and well-being of our future generations. Instilling the life-saving habit of handwashing through education will not only help fight COVID 19 but will provide life-long protection to the communities against various infectious diseases and develop resilience", said Honorable Deputy Chief Minister and Education Minister Mr. Manish Sisodia

"The importance of handwashing with soap has been thrust into the global spotlight amid the ongoing Covid-19 pandemic. Today more than ever, we need to ensure that handwashing with soap remains prioritized and practiced by everyone, everywhere. We have been champions of hygiene for over 100 years and will continue teaching as many people as possible the simple, cost-effective act of handwashing with soap. We strongly believe that a change that starts with the young is heard by everyone. Thus, we strongly recommend changing the way the alphabet is taught in textbooks/digitally and general educational material published. The need of the hour is to forever change H is for Hat to H is for Handwashing" said Srirup Mitra, Vice President, Skin Cleansing, Hindustan Unilever "People to People Health Foundation works with the mission of Transforming lives for improved health and wellbeing through locally driven solutions. COVID-19 has reinforced the importance of handwashing and we are excited to promote H for Handwashing through our programs.

And we start from Delhi!" said Dr. Laxmikant Palo, CEO of People to People Health Foundation The interactive teaching materials will be disseminated across 400 schools reaching more than 4000 children. It will also be placed in more than 10,000 plus Anganwadi centres across Delhi.

The inaugural event also witnessed the launch of an innovative foot operated handwashing stations which would be placed across Mohalla clinics, schools, marketplaces, RWA, hospitals, etc. This has been launched with the intent to promote an enabling environment for the promotion and implementation of Handwashing as one of the strongest strategies against COVID 19.

As our children explore the new world around them, good hygiene behaviours must be instilled early on, to keep them safe and healthy.

The movement coincides with a recent study in India which found that children are key to transmitting the virus that causes Covid-19 in their households and communities.

-ankita@prprofessionals.in

'Digital' the buzzword for police in Covid-19 era

MM BUREAU

New Delhi/October 19

In March, when the Capital went into shutdown mode to stop the spread of the coronavirus disease (Covid-19), Delhi Police suddenly found itself enforcing not just law and order, but also lockdown restrictions, social distancing norms, and the wearing of masks, while trying to ensure its own personnel did not fall prey to the raging virus.

It turned, tentatively, to technology to navigate the unknown territory.

Six months on, "digital" is the buzzword in Delhi Police. What started with Zoom calls for law-and-order meetings and WhatsApp for sending notices and summons to minimize touch and physical contact, has had a transformative effect on the Capital's police, with many of its legacy processes and procedures going online.

The most significant of them is the replacement of the traditional beat book (a paper diary where a beat officer kept all information and data about his beat) with the e-beat book – a mobile application, integrated with the existing online data systems such as Zipnet, Dossier, CCTNS (the Crime and Criminal Tracking Networks and Systems), and ICJS (Interoperable Criminal Justice System) that aligns various pillars of the criminal justice system such as e-courts and e-prisons databases. The e- beat book will allow a beat officer to carry out a host of tasks remotely.

"The beat is the primary unit of policing, and the e-beat book will empower the beat officer like never before. He can now access the criminal record of a suspect on the spot, without having to take him to the police station. This new tool has face recognition software and all a beat officer needs to do is click his picture and search the database," said SN Shrivastava, commissioner

of Delhi Police. "It will help detect, map and prevent crime more effectively."

According to the latest National Crimes Records Bureau (NCRB) report, overall crime in Delhi went up by 20 percent in 2019, compared to the previous year, including crimes against women.

The e-beat book, says Prem Nath, Additional CP, technology and cybercrime, will help record the crime, the criminal, and other relevant data for the beat; provide real-time location of all 1,752 beat officers in the city; and allow online tasks to be allocated to them; apart from enabling them to file various verification reports online.

"The moment you fill a form for a tenant or servant verification online, it will come to the beat constable, who can file his report on e-beat book," said Nath. Delhi Police have rolled out the e-beat book initiative in all districts, having distributed new mobile devices among all beat officers

Many of Delhi Police's registers and diaries -- a legacy of the Raj – also went digital in June. Take for example "roznamcha" (police diary), which is a record of all happenings at a police station, including all the registered FIRs, complaints, arrests, attendance, among other things. It is now digital. Similarly, the Police Control Room (PCR) register, which maintains the record of all information regarding distress calls marked to that police station as well as complaints and missing person registers, have gone online.

"All of this is now being done in digital format on CCTNS, a centralised integrated system of the Union home ministry. During the pandemic, we started sending even court files online," said Rajan Bhagat, a retired DCP of Delhi Police who is now a consultant in-charge of technology projects.

Delhi Police have also introduced an Integrated Complaint Management System (ICMS), which allows people to get a complaint number and track the status of their complaint. "This is to ensure that the public grievance redressal is faster, more transparent, accountable and paperless," said Shrivastava.

Delhi Police, he adds, will soon start online delivery of many other citizen services such as permissions for processions, events, rallies, licensing NOCs, among others. "We will do so through our Tatpar app, where we have amalgamated all citizen services," said Shrivastava.

Most of these digital procedures Delhi Police adopted during the pandemic -- sending summons and bailable warrants on WhatsApp, video conferencing for meetings, virtual examination of witnesses, interrogation of accused, and interactions with victims -- will continue to be an integral part of policing in the Capital, says Shrivastava.

Delhi Jal Board has become new place of corruption -Yaseer Jilani HC

New Delhi/October 19

Corruption and irregularities in the Delhi Jal Board are constantly increasing, therefore, demanding the resignation of Delhi Jal Board Vice Chairman and Aam Aadmi Party MLA Raghav Chaddha, State Spokesperson Yaseer Jilani said that the Delhi Jal Board has become a new place for corruption of the Aam Aadmi Party.

Yaseer Jilani says that the irregularities and corruption in the Delhi Jal Board has increased ever since Aam Aadmi Party appointed Raghav Chaddha as Vice Chairman of Delhi Jal Board. Under the patronage of the Delhi Government, the Delhi Jal Board is working to loot Delhiites in collusion with tanker mafias. Yaseer Jilani said that no problems are being heard on helpline numbers of Delhi Jal Board. There is no response from the Delhi Jal Board on complaints of water, sewer, bills and illegal boring. The Delhi Jal Board still owes bill of crores of rupees. He said that 24 hours of continuous water is only delusion, in reality Delhi people are plagued with water scarcity. The plan to waive the water bill exists only on paper. Despite this, Aam Aadmi Party MLA Raghav Chadda is in deep slumber. Adesh Gupta said that on the basis of morality, Raghav Chadha should resign from his post otherwise Kejriwal government should be prepared for a mass movement in interests of Delhiites.

-bjpdelhinew@gmail.com

Delhi man bleeds to death after liquor bottle pierces thigh

MM BUREAU

New Delhi/October 19

A 25-year-old man was killed after he fell on the ground while being assaulted allegedly by a group of people and a liquor bottle tucked in his trouser's pocket broke and pierced his thigh in east Delhi's New Ashok Nagar on Friday night, police said. Police said the man was attacked after he allegedly used a toilet in a building without permission. The incident was captured in a CCTV camera installed in the lane where the man died, they said. A case of culpable homicide not amounting to murder under Section 304 of Indian Penal Code was registered at the New Ashok Nagar police station, said deputy commissioner of police (east) Jasmeet Singh.

"We are scanning the CCTV footage to identify the people who assaulted the man," said DCP Singh, adding that the victim has been identified as Manish Yadav who worked in a vehicle washing agency in Noida. Senior police officer said that on Friday night, Yadav had come to a building to meet his friend, Manish Thakur, who lives there as a tenant. They consumed liquor on the building's terrace. Around 9.30 pm, Yadav was leaving the building when he saw a toilet on the ground floor and went inside to urinate without asking for permission, they said. A woman living on the ground floor as a tenant raised an alarm after seeing Yadav. Hearing her scream, the building's owner and some locals reached there and thrashed Yadav following an altercation, said a police officer associated with the probe. According to the officer, the CCTV footage shows four-five men quarrelling and thrashing Yadav, who is seen walking in the lane.'

Delhi: 2 die, 4 Hospitalised after inhaling toxic gases while cleaning underground tank

MM BUREAU/New Delhi/October 19

Two workers died and four needed to be hospitalised after they inhaled toxic gases while cleaning an underground tank at a jewellery manufacturing unit in north Delhi's Adarsh Nagar on Sunday evening, the police said. Of the four hospitalised, three were discharged after treatment while the fourth continues to receive treatment. Vijayanta Arya, the deputy commissioner of police (north-west), said that a case of culpable homicide not amounting to murder has been registered and two persons have been arrested. "We have arrested the factory owner Rajender Soni and the cleaning contractor Pramod Dangi," the DCP said. The two dead men, Idris and Salim—both 45 years old, were among a group of seven daily wage labourers who had arrived from Khurja in Uttar Pradesh to find work in the national capital. The DCP said that they found work at a jewellery manufacturing unit in an industrial area in Adarsh Nagar. "The unit makes golf and silver chains. They store chemicals and water for cleaning the precious metals in a safety tank. It was this tank that needed to be cleaned," said the DCP. The factory owner had allegedly outsourced the work to the contractor, Dangi. The police received a call about the mishap around 6.45pm on Sunday. They arrived at the spot to find two workers unconscious and four others in need of treatment. Only the seventh worker was unaffected, the DCP said. They were all rushed to Babu Jagjivan Ram Hospital, where Idris and Salim died. The police are investigating the owner and contractor's negligence brought about the deaths.

The meal boxes brought a smile to 500 veterans' faces

New Delhi/October 19

The CP Avant Pvt. Ltd (CPAPL), a wholly-owned subsidiary of Charoen Pokphand Group (CPG), Thailand reached out to veterans with meal boxes.

This drive took place in collaboration with Earth Saviours Foundation, an internationally recognized NGO, which provides shelter to abandoned senior citizens and mentally disabled people. CP Group of companies distributed free meals of Five Star, their QSR, to 500 veterans.

The activity culminated yesterday by the two subsidiaries of the group: CP Avant Pvt. Ltd. and CP Foods.

Kasinn Khaowprasert, Director, CP Avant Pvt. Ltd. expressed, "The pandemic has critically impacted the lifestyle of weaker sections, incapacitated them for even fulfilling basic needs.

Our team highlighted such difficulty faced by the people and decided to serve one in need this World Food Day."

The actions scheduled are an extension of the social commitment of the company which is tirelessly working to bring quality food to an increasingly larger number of people, Kasin added.

Nearly 690 million people still go hungry and over 2 billion people do not have regular access to safe, nutritious and sufficient food. The COVID-19 pandemic could add between 83-132 million people to this number, depending on the economic growth scenario, states the Food and Agriculture Organisation (FAO) of the United Nations.

Ravi Kalra, Founder, Earth Saviours Foundation, said, "Undoubtedly, food is the basic human right and everyone deserves to have three proper meals a day for a healthy living. We, at our NGO, provide shelter to abandoned senior citizens, underprivileged and mentally disabled people. Despite challenges such as pandemics, CP Avant has come forward to strengthen the food system and livelihood of less privileged people.

It's nice to see that restaurants are working selflessly and delivering food to the underprivileged sections of society."

-311shrutii@gmail.com

Delhi struggles to control garbage burning

MM BUREAU

New Delhi/October 19

Every winter, residents of Kirari in northwest Delhi wake up to a think blanket of smoke enveloping the entire area. It is mostly because of open burning of piles of waste every evening.

This year too, complaints have already started pouring in and the Delhi Pollution Control Committee (DPCC) has slapped the North Delhi Municipal Corporation with a fine of Rs 1 crore for its failure to control these fires, which are one of the major local contributors to air pollution in Delhi.

"During a surprise inspection we found that the garbage was being burned beside the main road since morning and no official action was taken by the local municipality against the burning," said Gopal Rai, Delhi environment minister.

Local residents said many open spaces along the main road have become a dumping site for local waste and every now and then someone lights these piles on fire, enveloping the entire area in a grey blanket.

Rekha Rani, a resident of Kirari Harijan Colony, said that sometimes the fire rages so wild that the flames and the resultant smoke can be seen from several kilometres away.

"You will see garbage dumped in any open space that is available here and every other day you find it lit up. During winters, eyes start burning and it becomes difficult to breathe," Rani said.

Experts have also pointed out that as Delhi faces its annual winter air pollution emergency, curbing open waste burning could prove to be proverbial Achilles' heel.

Data provided by Delhi Fire Services (DFS) control room shows that between September 15 and October 15, 127 complaints of open waste burning were received from across the city. Officials attending these calls said that some of these fires had turned unmanageable. In fact, over

the last ten days five major garbage fires were put off by fire fighters.

On Sunday, the DFS received calls about 28 such fires.

On October 11, a vacant plot near the Ashram intersection saw a major fire, which took over two hours to control. Similarly, on October 15, a fire was also reported from northeast Delhi's Bhajanpura, DFS officials said.

DFS chief, Atul Garg said, "DFS teams have been actively contributing to pollution control measures in the city. Apart from controlling the frequent garbage fires, our teams have also been sprinkling water on the roadside and open spaces to control dust."

Kripal Singh Ranawat, a shop owner near Bhajanpura police station, said waste collection and management is a major problem in these areas and some of the privately employed waste collectors often dump waste on road sides and on open plots and set it on fire.

"Pillars of flyovers and boundary walls are coated with soot, so if the agencies do not believe us they can see this as proof of how frequently burning happens in these areas," Ranawat said.

DPCC control room data also shows that over the last 10 days, teams had to intervened at 52 places where open garbage burning was spotted. Officials said that while monitoring teams are on-ground monitoring such burnings, they are also relying heavily on complaints being received from resident welfare associations (RWAs) and the general public.

"Our teams are also patrolling areas in the night because waste is usually burnt at night," said a senior DPCC official.

In Dwarka, residents complained that vacant plots have been turned into dumping grounds and despite repeated complaints to the pollution control agencies and the local municipalities, waste burning continues.

"Garbage burning is common in Dwarka and in its surrounding areas. The (Winter)seasonhas begun and the government must set up a 24×7 helpline for reporting garbage burning to control pollution. It normally happens in vacant DDA (Delhi Development Authority) plots," Karanvir Anil Parashar, activist and resident of Dwarka tweeted, along with pictures of smoke emanating from garbage fires.

Experts agreed that waste management is an area where authorities need to work harder. Anumita Roychowdhury, executive director (research and advocacy), Centre for Science and Environment (CSE), said waste management can be tackled with strict enforcement. "Waste burning is an offshoot of the larger problem of waste disposal and management. Agencies will need to step-up action not just during winters but all year long in order to control this," said Roychowdhury.

A senior official of the north corporation said that the agency is doing its best to control cases of open burning in their areas.

'Can think about implementing odd-even if other measures fail'

MM BUREAU

New Delhi/October 19

Delhi environment minister Gopal Rai said on Monday that the Aam Aadmi Party (AAP) government can think about implementing the odd-even scheme in the national capital if other measures to control pollution fail. "We have implemented the odd-even scheme many times in Delhi. It would be our last resort and we'll think about its implementation if rest of the methods to curb the air pollution fail," Rai told reporters.

T T LIMITED

(CIN NO.-L18101DL1978PLC009241)

879, MASTER PRITHVI NATH MARG, OPP: AJMAL KHAN PARK, KAROL BAGH, NEW DELHI – 110 005, INDIA TEL: 0091 11 45060708

EMAIL: newdelhi@ttlimited.co.in, WEBSITE: http://www.ttlimited.co.in

NOTICE

Notice is hereby given in compliance with the Regulations 29 and 47 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations 2015, that a Meeting of the Board of Directors of the Company will be held on **Wednesday, November 4, 2020 at 3:00 P.M.** to, consider and approve inter-alia, Unaudited Financial Results of the Company for the Second Quarter and Half Year ended 30th September, 2020.

This information is also available on the website of NSE Limited (www.nseindia.com) and BSE Limited (www.bseindia.com) where the Company's shares are listed.

By T T Limited

Sd/-

Sanjay Kumar Sharma

Company Secretary

(FCS7311)

Place: New Delhi

Date: 19.10.2020